समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

ईरान-इज़रायल तनाव से सहमा शेयर बाजार : सेसेंक्स 1100 अंक टूटा, दो मिनट मे 8 लाख करोड़ का नुकसान।

Publisher

Published on 13 Jun 2025

बाजार मे भूंचाल : सेसेंक्स 1100 अंक लुढ़का, निफ्टी 24600 से नीचे खुला।

नई दिल्ली : ईरान और इज़रायल के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने भारतीय शेयर बाजार को बुरी तरह हिला कर रख दिया है। शुक्रवार को हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन की शुरुआत भारी गिरावट के साथ हुई, जहां **सेसेंक्स 1100 अंक तक लुढ़क गया और निफ्टी 50 भी 24600 के नीचे खुला**।

2 मिनट मे स्वाहा हुए 8 लाख करोड़ रुपये

शेयर बाजार खुलते ही निवेशकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। **सिर्फ दो मिनट मे 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति स्वाहा** हो गई।

गुरुवार को **बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप ₹450.52 लाख करोड़** था, जो शुक्रवार को गिरकर ₹442 लाख करोड़ पर आ गया।

किन शेयरों में दिखी गिरावट ?

1.**टाटा मोटर्स:** 2% गिरावट

2.**भारती एयरटेल :** 0.32%

3.**आईटीसी :** 0.46%

4.**टीसीएस :** 0.49%

5.**सन फार्मा:** 0.55%

6.**एक्सिस बैकं :** 0.69%

हालांकि, **ऑयल इंडिया** को इसका सीधा फायदा मिला। **कच्चे तेल** की कीमतों में उछाल से यह शेयर करीब 3% ऊपर रहा।

रुपया भी टूटा
डॉलर के मुकाबले **भारतीय रुपया 54** पैसे कमजोर होकर **₹86.14** के स्तर पर खुला। एक दिन पहले यह **₹85.60** पर बंद हुआ था।

वैश्विक बाजारों में भी गिरावट
1.**एशियाई और वैश्विक शेयर बाजार भी भू-राजनीतिक तनाव से प्रभावित हुए**:
2.**जापान का निक्केई :** 1.16% गिरा
3.**दक्षिण कोरिया का कोस्पी :** 0.67% गिरा
4.**ऑस्ट्रेलिया का ASX 200:** 0.17% गिरा
5.**हांगकांग का हैगं सेगं :** 0.98% गिरा
6.**चीन का CSI 300:** 0.78% गिरा
7.**NASDAQ फ्यूचर्स:** 1.7% गिरावट
8.**S&P 500 फ्यूचर्स:** 1.6% गिरावट

विशेषज्ञों की राय
वित्तीय जानकारों का मानना है कि यदि **ईरान-इज़रायल** तनाव बढ़ता है, तो कच्चे तेल की कीमतें और अधिक उछाल सकती हैं, जिससे भारतीय बाजार पर और दबाव बनेगा।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

---

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.